8. जित - जित मैं निरखत हूँ

पाठ का सारांश

- जन्म मेरो लखनऊ के जफरीन अस्पताल में 1938, 4 फरवरी, शुक्रवार, सुबह 8 बजे : घर में आखिरी सन्तान। तीन बहनों के बाद। छह साल थी उम्र में मैं नवाब साहब को बहुत पसंद आ गया। मैं नवाब साहब के पास जाकर नाचता था।
- वहाँ से फिर निर्मला जी के स्कूल में यहाँ दिल्ली में हिन्दुस्तानी डान्स म्यूजिक में चले गए। यहाँ दो तीन साल काम करते रहे। ये शायद 43 की बात रही होगी।
- जहाँ वे खुद नाचते तो पहले मुझे नचवाते थे और खूब जोरों से जमकर नाचता था। प्रायवेट प्रोग्राम जिनमें बाबू जी जाते थे जौनपुर, मैनपुरी, कानपुर, देहरादून, कलकत्ता, बंबई आदि, इनमें मुझे जरूर रखते थे। पहले इसीलिए कलकत्ते में बहुत मजा आया। उसमें फर्स्ट प्राइज मिलने वाला था। उसमें शम्भू महाराज चाचाजी और बाबू जी दोनों नाचे। पर उसमें फर्स्ट प्राइज मुझे मिला।
- हाँ साढ़े नौ साल की उम्र में बाबू जी मृत्यु हो गई। मुझे तालीम बाबूजी से ही मिला। 500 रुपए देकर मैंने गण्डा बंधवाया। तो शागिर्द मैं बाबू जी का हूँ। उनके मरते ही हम लोगों के बहुत खराब दिन शुरू हो गए। कानपुर में दो ढाई साल रहा। आर्यानगर में 25-25 रुपए की दो ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। 50 रुपए में काम कर किसी तरह पढ़ता रहा मैं। पिताजी की मृत्यु के समय उनके श्राद्ध कर्म करने के लिए पैसे नहीं। दस दिन के अंदर मैंने दो प्रोग्राम किए। 500 रु. इकट्ठे हुए तो दसवाँ और तेरहवीं की गई।
- चौदह साल का था तो संगीत भारती आया। मैंने यहाँ साढ़े चार साल काम किया। संगीत भारती की कमाई से मैंने एक साइकिल खरीदी थी जो मेरे पास आज भी है। और उस साइकिल को मैं नहीं बेचता।
- खैर उसमें से रश्मि जी एक लड़की मिली थी। उन्हें पूरे मन से सिखाया। वो तालीम देखकर जो महाराज के यहाँ की लड़कियाँ अट्रेक्ट हुई। क्योंकि तालीम जरा अच्छी थी मेरी। संगीत भारती के जमाने में कलकत्ते में एक कांफ्रेंस में नाचा हूँ। कलकत्ते की ऑडियन्स ने मेरी बड़ी प्रशंसा की। इतनी की कि तमाम अखबारों में मैं छप गया एकदम। उसके बाद हरिदास स्वामी कांफ्रेंस बंबई ब्रजनारायण ने बुलाया। मेरा प्रोग्राम बहुत अच्छा हुआ। उसके बाद से बम्बई, कलकत्ते, मद्रास आदि जगहों पर मेरा प्रोग्राम होने लगा। विदेश दूर में सबसे पहले रूस गये। उसके बाद जर्मनी, जापान, हांगकांग, लाओस, बर्मा आदि।

- अम्मा को मैं सबसे बड़ा जज मानता हूँ। जब वो नाच देखती तो मैं पूछता था कि मैं कहीं गलत तो नहीं कर रहा हूँ। मतलब बाबूजी वाला ढंग है ना कहीं गड़बड़ी तो नहीं हो रही। तो कहती नहीं बेटा नहीं। उन्हीं की तस्वीर हो।

8. जित - जित मैं निरखत हूँ।

* लेखक परिचय *

लेखक – पंडित बिरजू महाराज

जन्म → 4 फरवरी 1938 ई0 को लखनऊ (सातवीं स्थान)

पिता → आच्छन महाराज

चाचा → शम्भू महाज

→ बिरजू महराज अपना जज अपनी अम्मा को बताते है |

→ बिरजु महाराज के गुरू उनके पिताजी हैं |

8. जित - जित मैं निरखत हूँ

Short answer question

1. (i) लेखक (पंडित बिरजू महाराज) को नृत्य की तालीम किससे मिली ? लेखक अपने को किसका शागिर्द मानता है ?

उत्तर - लेखक (पंडित बिरजू महाराज) को नृत्य की तालीम उनके पिताजी से मिली थी। लेखक अपने को अपने पिताजी का शागिर्द मानता है।

(ii) गंडा बाँधने के पूर्व लेखक के पिताजी ने लेखक के समक्ष कौन-सी शर्त रखी थी ?

उत्तर - गंडा बाँधने के पूर्व लेखक के पिताजी ने लेखक के समक्ष यह शर्त रखी थी कि जब तक वह (लेखक) अपने पिताजी को नजराना नहीं देगा तब तक वे गंडा नहीं बाँधेंगे।

(iii) लेखक के पिताजी ने किन्हें एक साथ गंडा बाँधा था ?

उत्तर - लेखक के पिताजी ने लेखक और जगत कहार को एक साथ गंडा बाँधा था।

(iv) 'गंडा बाँधना' मुहावरे का अर्थ बताएँ ।

(iv) गंडा बाँधने' का अर्थ होता है – दीक्षित करना अथवा शिष्य स्वीकार करना।

2. बिरजू महाराज अपना सबसे बड़ा जज किसे मानते थे ?

उत्तर - बिरजू महाराज अपना सबसे बड़ा जज अपनी माँ को मानते थे। वे बिरजू महाराज का नृत्य बहुत ध्यान से देखती थीं। इसलिए, बिरजू महाराज को अपनी माँ के निर्णय पर पूर्ण विश्वास था।

3. (i) नृत्य की शिक्षा के लिए पहले-पहल बिरजू महाराज किस संस्था से जुड़े और वहाँ किसके संपर्क में आए ?

उत्तर - नृत्य की शिक्षा के लिए पहले-पहल बिरजू महाराज निर्मला जोशीजी की संस्था 'हिंदुस्तानी डांस म्यूजिक अकादमी' दिल्ली से जुड़े। वहाँ वे कपिलाजी, लीला कृपलानी आदि के संपर्क में आए।

(ii) अपने शागिर्दों के बारे में बिरजू महाराज की क्या राय है ?

उत्तर - अपने शागिर्दों के बारे में बिरजू महाराज की राय है कि वे नृत्यकला में निपुणता प्राप्त करने पर पूरा ध्यान नहीं देते। उनमें लगन, संकल्प और साधना का नितांत अभाव है। वे यश और धन अर्जन पर जितना ध्यान देते हैं, उतना कला पर नहीं।

4. लखनऊ और रामपुर से बिरजू महाराज का क्या संबंध है ?

उत्तर - लखनऊ में बिरजू महाराज का तथा रामपुर में उनकी तीनों बहनों का जन्म हुआ था। बचपन में बिरजू महाराज रामपुर (वहाँ के नवाब के आमंत्रण पर) अपने पिता के साथ नाचने जाया करते थे।

5. बिरजू महाराज के गुरु कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर - बिरजू महाराज के गुरु उनके बाबूजी थे। बिरजू महाराज को उन्होंने ही गंडा - बाँधा था। उनकी चार संतानें थीं- तीन लड़कियाँ और एक लड़का। वे निपुण नर्तक थे। उनका संबंध लखनऊ घराने से था ।

6. बिरजू महाराज पुराने और आज के नर्तकों के मध्य कैसा अंतर पाते हैं ?

उत्तर - बिरजू महाराज के अनुसार, पुराने जमाने के नर्तक नृत्यकला के प्रति समर्पित होते थे। जब तक वे इस कला में निपुण नहीं हो जाते थे, तब तक इस कला को धनार्जन का माध्यम नहीं बनाते थे। पर, आज के नर्तक इस कला को ऊपरी तौर पर सीखकर इसे धनार्जन का माध्यम बना लेते हैं। इनका सारा ध्यान जल्द-से-जल्द नाम और पैसा कमाने पर होता है।

7. बिरजू महाराज ने नृत्य की शिक्षा किसे और कब देनी शुरू की ?

उत्तर - बिरजू महाराज 'संगीत भारती' की नौकरी छोड़कर लखनऊ आ गए। वे भारतीय कलाकेंद्र, पूसा रोड में नियुक्त हुए। तब तक वहाँ शंभू महाराज आ चुके थे। वहाँ उन्हें झमेलावाली छोटी क्लास मिली। बड़ी और समझदार लड़कियाँ बड़े महाराज के पास चली जाती थीं। बिरजू महाराज की उम्र तो महज अठारह-बीस साल की थी। बड़े-बुजुर्ग के सामने उनकी क्या हैसियत थी! लेकिन उन्हें रश्मि नाम की एक सयानी लड़की मिली। उन्होंने उस लड़की को मनोयोगपूर्वक नृत्य की शिक्षा दी ।

Long answer question

1. बिरजू महाराज के पिताजी ने रामपुर के नवाब की नौकरी छूटने पर हनुमानजी को प्रसाद क्यों चढ़ाया ?

उत्तर - बिरजू महाराज के पिताजी बाईस वर्षों से रामपुर के नवाब के नौकर थे। वे हनुमानजी से प्रार्थना करते थे कि मेरी नौकरी छूट जाए। नवाब ने एक दिन कहा- "तुम्हारा लड़का नहीं होगा, तो तुम भी नहीं रह सकते।" बिरजू महाराज के पिताजी बिरजू को रामपुर के नवाब के दरबार में नहीं रखना चाहते थे। इस तरह, उनकी नौकरी का छूटना लगभग पक्का हो चुका था। वे बहुत खुश हुए। उन्होंने लोगों में मिठाइयाँ बाँटी और हनुमानजी को प्रसाद चढ़ाया कि जान छूटी।

2. कलकत्ता (कोलकाता) के दर्शकों की प्रशंसा का विरजू महाराज के नर्तक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - कलकत्ता (कोलकाता) की एक कॉंफ्रेंस में बिरजू महाराज का नृत्य हुआ। उनका नृत्य देखकर कलकत्ता की दर्शकमंडली बहुत खुश हुई। दर्शकों ने बिरजू महाराज की बहुत प्रशंसा की। दर्शकों की प्रशंसा ने बिरजू महाराज के जीवन की दिशा ही बदल दी। अब वे और मनोयोग से अपने नृत्य पर ध्यान देने लगे। उनके मन में नृत्य के क्षेत्र में उच्चतम शिखर पर जाने की लालसा जाग उठी। वे उसके लिए जी-तोड़ मेहनत (अभ्यास) करने लगे। कलकत्ता में दर्शकों से मिली प्रशंसा बिरजू महाराज के जीवन में एक मोड़ सिद्ध हुई।

3. बिरजू महाराज कौन-कौन से वाद्य बजाते थे ? अपने विवाह के बारे में वे क्या बताते हैं ?

उत्तर - बिरजू महाराज सितार, गिटार, हारमोनियम, बाँसुरी, सरोद और तबला बजाते थे। बिरजू महाराज की माँ ने उनकी शादी महज अठारह साल की उम्र में ही कर दी। बिरजू महाराज अपनी शादी के बारे में कहते हैं कि यह अच्छा नहीं हुआ। कम उम्र में शादी होने से उनका बहुत नुकसान हुआ। उनकी माँ को शायद इसी बात की आशंका थी कि कहीं वे भी बिरजू के पिता की तरह ही बहू का मुँह देखे बिना ही इस दुनिया से न चली जाएँ। शादी में माँ की हड़बड़ी से बिरजू महाराज के कंधों पर एक और बोझ आ गया। उन्हें परिवार चलाने के लिए नौकरी करनी पड़ी। नौकरी ने उनके रियाज में बाधा उत्पन्न की। उनका जीवन असमय ही संघर्षमय हो उठा।

8. जित - जित मैं निरखत हूँ

1. पंडित बिरजू महाराज किस घराने के वंशज थे?

(A) डुमराँव घराना

(B) लखनऊ घराना

(C) बनारस घराना

(D) ग्वालियर घराना

Ans – (B)

2. पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने की किस पीढ़ी के कलाकार हैं?

(A) छठी पीढ़ी

(B) सातवीं पीढ़ी

(C) नौवीं पीढ़ी

(D) आठवीं पीढ़ी

Ans – (B)

3. पं० बिरजू महाराज का जन्म कहाँ हुआ था?

(A) बनारस

(B) लखनऊ

(C) इलाहाबाद

(D) बक्सर

Ans – (B)

4. पं० बिरजू महाराज का जन्म कब हुआ?

(A) 4 फरवरी, 1938

(B) 4 फरवरी, 1937

(C) 4 फरवरी, 1936

(D) 4 फरवरी, 1935

Ans – (A)

5. 'जित-जित मैं निरखत हूँ' पाठ साहित्य की विधा है -

(A) कहानी

(B) रिपोर्ताज

(C) साक्षात्कार

(D) भाषण

Ans – (C)

6. बिरजू महाराज के गुरु कौन थे ?

(A) उनके पिताजी

(B) चाचा

(C) बड़े भाई

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (A)

7. बिरजू महाराज किस शैली के नर्तक है ?

(A) कुचिपुड़ी

(B) भरतनाट्यम

(C) मोहिनीअट्टम

(D) कथक

Ans – (D)

8. बिरजू महाराज की ख्याति किस रूप में है ?

(A) नर्तक के रूप में

(B) तबला वादक के रूप में

(C) शहनाई वादक के रूप में

(D) संतूर वादक के रूप में

Ans – (A)

9. बिरजू महाराज कौन-सा वाद्य यंत्र बजाते थे?

(A) सितार

(B) गिटार

(C) हरमोनियम

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (D)

10. बिरजू महाराज का संबंध है -

(A) बाँसुरी वादन से

(B) तबला वादन से

(C) कत्थक नृत्य से

(D) संतूर वादन से

Ans – (C)

11. बिरजू महाराज अपना सबसे बड़ा जज किसको मानते थे ?

(A) बाबुजी को

(B) चाचाजी को

(C) अम्मा को

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (C)

12. नृत्य की शिक्षा के लिए पहले-पहल बिरजू महाराज किस संस्था से जुड़े?

(A) न्यू थियेटर्स कंपनी कोलकाता

(B) हिन्दुस्तानी डान्स म्यूजिक दिल्ली

(C) संगीत भारती कंपनी दिल्ली

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (B)

13. बिरजू महाराज कितना रुपया नजराना देकर अपने गुरु पिता से गण्डा बंधवाया?

(A) 200 रु०

(B) 400 रु०

(C) 500 रु०

(D) 600 रु०

Ans – (C)

14. शागिर्द का अर्थ

(A) गुरु

(B) शिष्य

(C) मित्र

(D) पिता

Ans – (B)

15. पंडित बिरजू महाराज साढ़े नौ साल के थे तभी उनके देहावसान हो गया।

(A) पिता का

(B) माँ का

(C) मामा का

(D) भाई का

Ans – (A)

16. बिरजू महाराज खुद को किसका शागीर्द मानते थे?

(A) पिता का

(B) माँ का

(C) मामा का

(D) भाई का

Ans – (A)

17. बिरजू महाराज को किस उम्र में संगीत नाटक अकादमी अवार्ड मिला था?

(A) 20 वर्ष

(B) 25 वर्ष

(C) 27 वर्ष

(D) 30 वर्ष

Ans – (C)

18. हिन्दुस्तानी डांस म्यूजिक कहाँ है?

(A) कलकत्ता में

(B) मुंबई में

(C) चेन्नई में

(D) दिल्ली में

Ans – (D)

19. बिरजू महाराज के चाचा का नाम क्या था?

(A) शंभु महाराज

(B) गोदई महाराज

(C) श्री महाराज

(D) विष्णु महाराज

Ans – (A)

20. शम्भू महाराज, बिरजू महाराज के कौन थे?

(A) मौसा

(B) भाई

(C) चाचा

(D) पिता

Ans – (C)

21. 'हलकारे' का अर्थ होता है-

(A) कलाकार

(B) संदेशवाहक

(C) हल जोतने वाला

(D) गायक

Ans – (B)

22. 'जित-जित मैं निरखत हूँ' पाठ के केंद्र में है -

(A) विस्मिल्ला खाँ

(B) जाकिर हुसैन

(C) बिरजू महाराज

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (C)

23. लखनऊ घराने के वंशज और सातवीं पीढ़ी के कलाकार थे -

(A) उस्ताद जाकिर हुसैन

(B) उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ

(C) पंडित बिरजू महाराज

(D) पंडित रविशंकर महाराज

Ans – (C)

24. बिरजू महाराज की शादी किस उम्र में हुई थी?

(A) सोलह साल की

(B) अठारह साल की

(C) बीस साल की

(D) बाइस साल की

Ans – (B)

25. बिरजू महाराज कितने साल के थे जब उनके बाबूजी की मृत्यु हुई थी?

(A) आठ साल

(B) नौ साल

(C) साढ़े नौ साल

(D) दस साल

Ans – (C)

26. बिरजू महाराज का अपने बाबूजी के साथ आखिरी प्रोग्राम कहाँ हुआ था?

(A) जौनपुर

(B) कानपुर

(C) मैनपुरी

(D) कलकत्ता

Ans – (C)

27. किनके साथ नाचते हुए बिरजू महाराज को पहल बार प्रथम पुरस्कार मिला?

(A) अपने बाबूजी के साथ

(B) चाचा शम्भु महाराज

(C) उपर्युक्त दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (C)

28. बिरजू महाराज को लखनऊ से संगीत भारती कौन लाई?

(A) निर्मला जोशी

(B) कपिला जी

(C) लीला कृपलानी

(D) शम्भु महाराज

Ans – (B)

29. बिरजू महाराज की सुयोग्य शिष्या मशहूर नृत्यांगना और रंगकर्म की पत्रिका 'नटरंग' की सम्पादक कौन है?

(A) कपिला जी

(B) निर्मला जोशी

(C) लीला कृपलानी

(D) रश्मि वाजपेयी

Ans – (D)

30. बिरजू महाराज का संबंध है

(A) तबला वादन से

(B) संतूर वादन से

(C) बाँसुरी वादन से

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (D)

31. 'जित-जित मैं निरखत हूँ ' पाठ के लेखक कौन हैं?

(A) यतीन्द्र मिश्र

(B) महात्मा गाँधी

(C) अमरकांत

(D) पंडित बिरजू महाराज

Ans – (D)